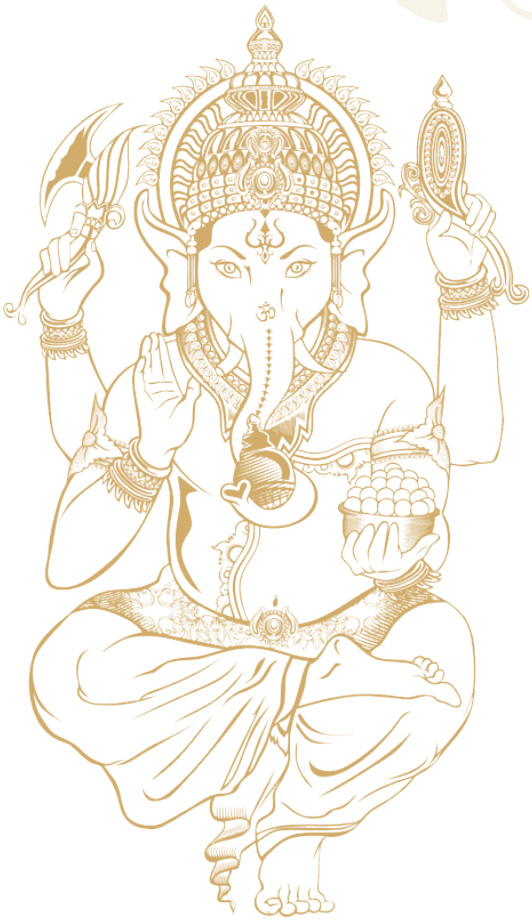

Mr.akshay chopde

Ms. sukanya gopale

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119441301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119441301 Date: 14/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/06/1997	जन्म तिथि	13/07/2006
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 20:45:00	जन्म समय	20:44:00 घंटे
घटी 36:44:10	जन्म समय(घटी)	36:27:39 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Mumbai
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:19	सूर्योदय	06:08:56
19:19:09	सूर्यास्त	19:19:34
23:49:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:55
मकर	लग्न	मकर
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कुम्भ	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
शतभिषा	नक्षत्र	धनिष्ठा
राहु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
प्रीति	योग	आयुष्मान
गर	करण	विष्टि
सी-सीताराम	जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 6वर्ष 5मा 14दि		02:00:08	मक	लग्न	मक	20:25:53	मंगल 2वर्ष 9मा 20दि	
शनि		10:16:05	मिथु	सूर्य	मिथु	27:08:35	राहु	
10/12/2019		15:13:02	कुंभ	चंद्र	कुंभ	01:19:10	04/05/2009	
09/12/2038		08:59:48	कन्या	मंगल	सिंह	00:22:41	04/05/2027	
शनि	12/12/2022	10:03:48	मिथु	बुध व	कर्क	04:36:23	राहु	15/01/2012
बुध	22/08/2025	27:43:59	मक व	गुरु	तुला	15:06:38	गुरु	10/06/2014
केतु	30/09/2026	02:21:32	कर्क	शुक्र	वृष	29:27:53	शनि	15/04/2017
शुक्र	30/11/2029	25:23:24	मीन	शनि	कर्क	17:45:10	बुध	03/11/2019
सूर्य	12/11/2030	29:16:11	सिंह व	राहु व	मीन	03:34:56	केतु	20/11/2020
चन्द्र	12/06/2032	29:16:11	कुंभ व	केतु व	कन्या	03:34:56	शुक्र	21/11/2023
मंगल	22/07/2033	14:08:04	मक व	हर्ष व	कुंभ	20:32:56	सूर्य	15/10/2024
राहु	28/05/2036	05:24:47	मक व	नेप व	मक	25:12:24	चन्द्र	16/04/2026
गुरु	09/12/2038	09:36:17	वृश्चि व	प्लूटो व	धनु	00:48:08	मंगल	04/05/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:17 चित्रपक्षीय अयनांश 23:56:55

लग्न-चलित

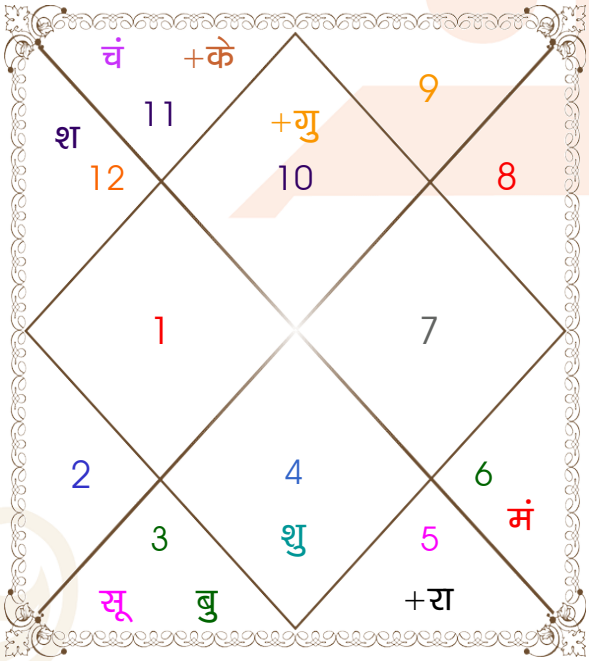

लग्न-चलित

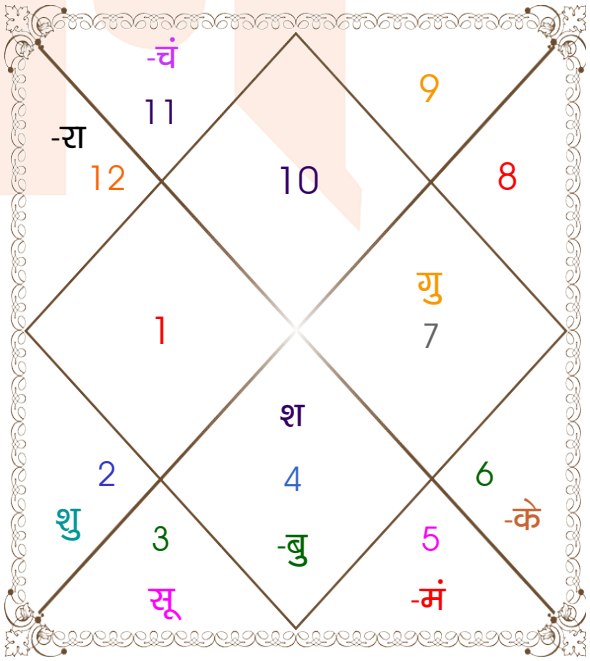

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

कुल : **33 / 36**

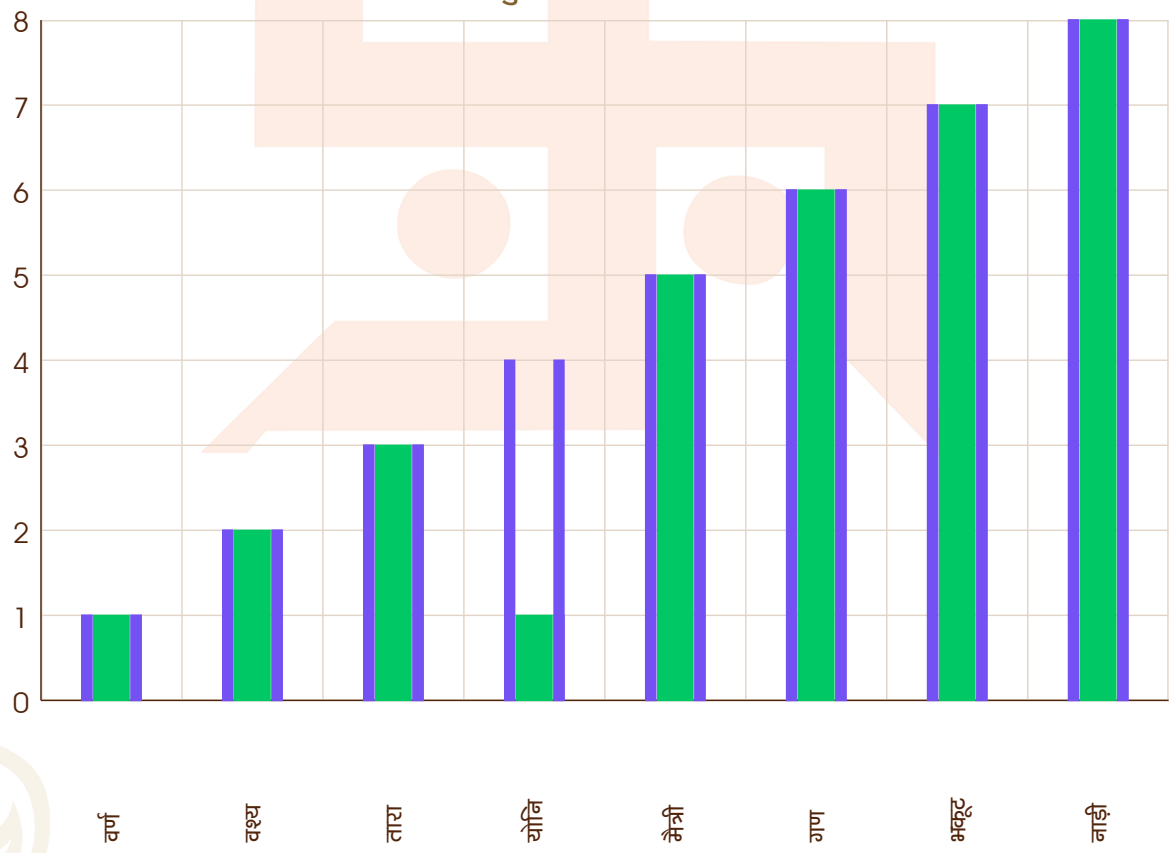

अष्टकूट मिलान

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

डतर्णीेल बीवचकम का वर्ग मेष है तथा डेण्`नांदलं हवचंसम का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णीेल बीवचकम और डेण्`नांदलं हवचंसम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णीेल बीवचकम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण्`नांदलं हवचंसम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतर्णीेल बीवचकम कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतर्णीेल बीवचकम कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णीेल बीवचकम तथा डेण्`नांदलं हवचंसम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतर्णीेल बीवचकम का वर्ण शूद्र है तथा डेण्`नांदलं हवचंसम का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

डतर्णीेल बीवचकम का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण्`नांदलं हवचंसम का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

डतर्णीेल बीवचकम की तारा सम्पत तथा डेण्`नांदलं हवचंसम की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। डेण्`नांदलं हवचंसम एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

डतर्णीेल बीवचकम की योनि अश्व है तथा डेण्`नांदलं हवचंसम की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

डतर्णीेल बीवचकम का गण राक्षस है तथा डेण्`नांदलं हवचंसम का गण भी राक्षस है। अर्थात डेण्`नांदलं हवचंसम का गण डतर्णीेल बीवचकम के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण्`नांदलं हवचंसम तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

डतर्णीेल बीवचकम की नाड़ी आद्य है तथा डेण्`नांदलं हवचंसम की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी

विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम दोनों की वायुतत्व युक्त राशि कुम्भ है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताएं समान रूप से विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम की जन्म राशि का स्वामी शनि है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपसी संबंधों में पूर्ण अपनत्व का भाव होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण के भाव की प्रबलता होगी । साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम सच्चे मित्रों की तरह जीवन यापन करेंगे तथा गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दोनों के मन में हार्दिक लगाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा सम्मान का भाव रहेगा साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूपेण स्वीकार करेंगे एवं परस्पर व्यक्तिगत कार्यो में कम ही हस्तक्षेप करेंगे फलतः आपस में विश्वसनीयता का भाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के लिए सौभाग्य शाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों का उपभोग करेंगे।

डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों एक आदर्श कार्यकर्ता होंगे तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

डतर्णीेल बीवचकम की तारा सम्पत तथा डेण`नांदलं हवचंसम की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से डतर्णीेल बीवचकम सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा डेण`नांदलं हवचंसम के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से डेण`नांदलं हवचंसम का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

डतर्णीेल बीवचकम का जन्म आद्य तथा डेण`नांदलं हवचंसम का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव डतर्णीेल बीवचकम के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए डतर्णीेल बीवचकम को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टि से डतर्णीेल बीवचकम एवं डेण`नांदलं हवचंसम का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि डेण`नांदलं हवचंसम का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति डेण`नांदलं हवचंसम के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः डेण`नांदलं हवचंसम को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे डेण`नांदलं हवचंसम सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतर्णीेल बीवचकम और डेण`नांदलं हवचंसम का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्नांदलं हवचंसम के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डेण्नांदलं हवचंसम अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डेण्नांदलं हवचंसम पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डेण्नांदलं हवचंसम अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतर्णीेल बीवचकम के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में डतर्णीेल बीवचकम के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण डतर्णीेल बीवचकम के प्रति सामान्य ही रहेगा।